मनमाड मुदखेड़ लाइन को बड़ी लाइन में बदलना

6425. श्री केशव राव धोंडगे : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) महाराष्ट्र में मनमाड मुदखेड़ लाइन को बड़ी लाइन में बदलने का कार्य कब प्रारम्भ किया गया था ;

(ख) इस पर अब तक कितना व्यय हुआ है ; और

(ग) यदि यह कार्य अभी तक प्रारम्भ नहीं किया गया तो इसके क्या कारण हैं ?

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री शिव नारायण) : (क) से (ग) संसाधनों की सीमित उपलब्धता के कारण मनमाड-परभनी-पुर्ली-बैजनाथ आमान परिवर्तन परियोजना पर काम शुरु करना अभी तक संभव नहीं हो पाया है। अब इस परियोजना के मनमाड-औरंगाबाद खंड के प्रथम चरण का काम 1978-79 के दौरान शुरू करने का प्रस्ताव है और इस प्रयोजन के लिए 25 लाख रुपये के परिव्यय की व्यवस्था की गयी है। परभनी-मुदखेड़ खंड के आमान परिवर्तन के लिए सर्वेक्षण का काम महाराष्ट्र सरकार के खर्च पर किया गया है और सर्वेक्षण रिपोर्टों की जांच की जा रही है।

Railway Maintenance Workshops

6426. SHRI S. S. LAL: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that a strange disease has developed among the technical workers in the railways maintenance workshops in the country;

(b) if so, whether the Government have set up a high powered experts' committee to go into the details and find out the causes of the same; and

(c) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI SHEO NARAIN): (a) No.

(b) and (c). Do not arise.

सिंदरी उर्वरक कारखाने का आधुनिकीकरण

6427. श्री रामसेवक हजारी : क्या पैट्रोलियम, रसायन और उर्वरक मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सिंदरी उर्वरक कारखाने का आधुनिकीकरण किया जा रहा है और यदि हां, तो तत्सम्बन्धी ब्यौरा क्या है ;

(ख) उस पर कितनी लागत आयेगी और इस कार्य के कब तक पूरा होने की संभावना है ; और

(ग) इस के परिणामस्वरूप उर्वरक के उत्पादन में कितनी वृद्धि होने की सम्भावना है और इससे अन्य कम्पनियों को नई तकनीक और जानकारी प्राप्त करने में कितनी सहायता मिलेगी ?

पेट्रोलियम तथा रसायन और उर्वरक मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री जनेश्वर मिश्र) : (क) से (ग) जी, हां। सिन्दरी में वर्तमान संयंत्र जो संभरण सामग्री के रूप में कोक और कोक ओवन गैस और प्रोद्योगिकी पर आधारित हैं की आर्थिक दृष्टि से उपयोगिता समाप्त हो गई है। अमोनिया उपलब्धता में सुधार करने और वर्तमान संयंत्र में उत्पादन में प्रधान बाधाओं पर काबू पाने के लिए आधुनिकीकरण की एक योजना का कार्यान्वयन किया जा रहा है। इस परियोजना में ईंधन तेल के आंशिक आक्सीजेशन पर आधारित प्रतिदिन 900 मी०टन अमोनिया संयंत्र को स्थापित करना शामिल है। इस